वर्तमान हिंदी साहित्य दृष्टि और मूल्यांकन

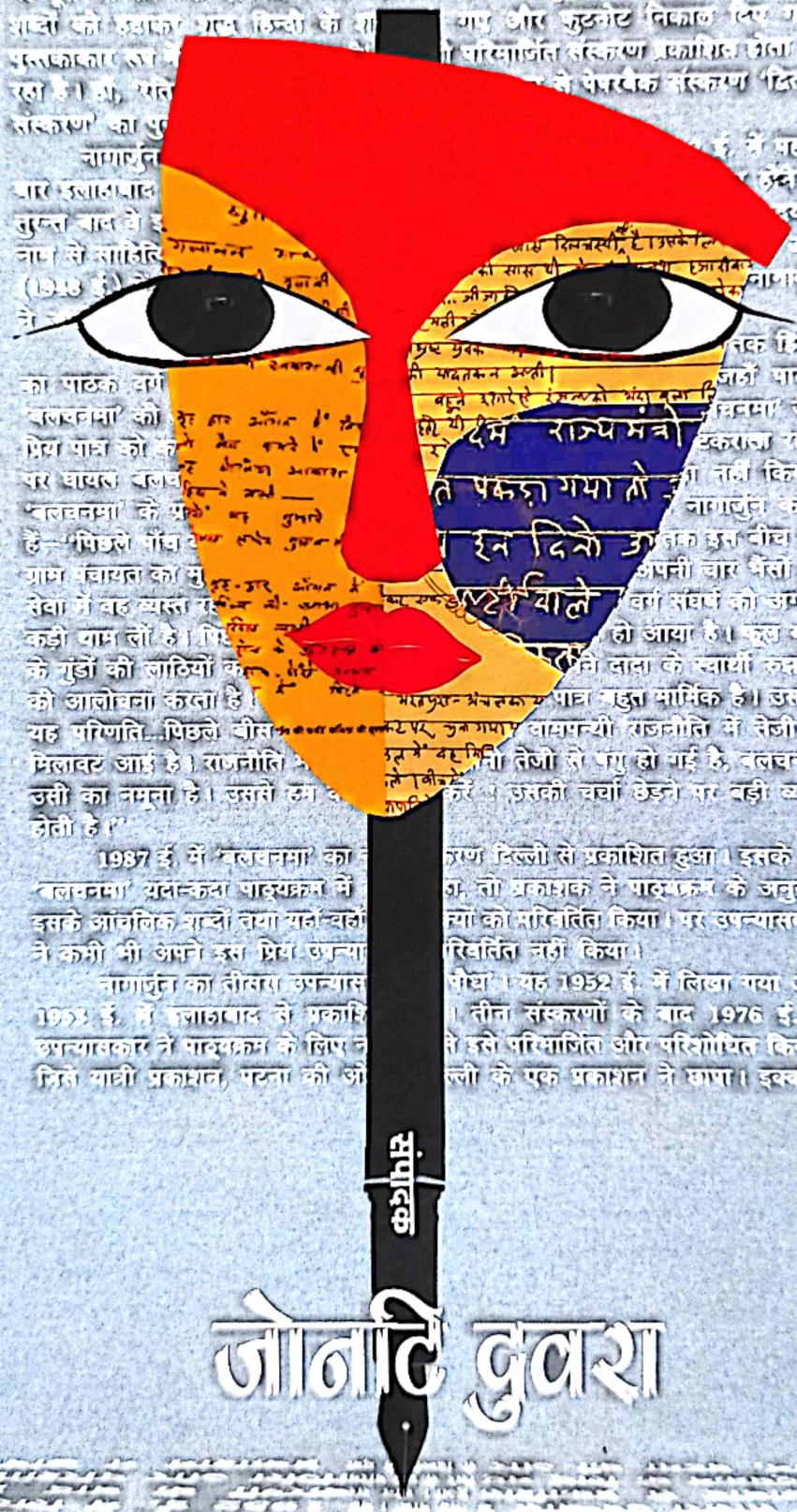

जोनादि दुवरा

वर्तमान हिन्दी साहित्य
दृष्टि और मूल्यांकन

जोनटि दुवरा

अप्र प्रकाशन अधिकरण

Scanned with CamScanner

प्रकाशक :

अधिकरण प्रकाशन

मकान संख्या-133, गली नम्बर-14, प्रथम तल,
बी-ब्लॉक, खजूरी खास, दिल्ली-110094
मोबाईल : 9716927587
ईमेल : adhikaranprakashan@gmail.com

प्रथम संस्करण	:	2021
आवरण चित्र	:	दिलीप कुमार शर्मा 'अज्ञात'
टाईप सेटिंग	:	मनीष कुमार सिन्हा
प्रिंटिंग	:	जी. एस. ऑफसेट, दिल्ली

© जोनटि दुवरा

ISBN : 978-93-89194-63-0
मूल्य : 495 रुपये

वर्तमान हिन्दी साहित्य : दृष्टि और मूल्यांकन(आलोचना)-जोनटि दुवरा

Vartaman Hindi Sahitya : Dristi Aur Mulyankan (Crticisim) by Junti Duarah

Scanned with CamScanner

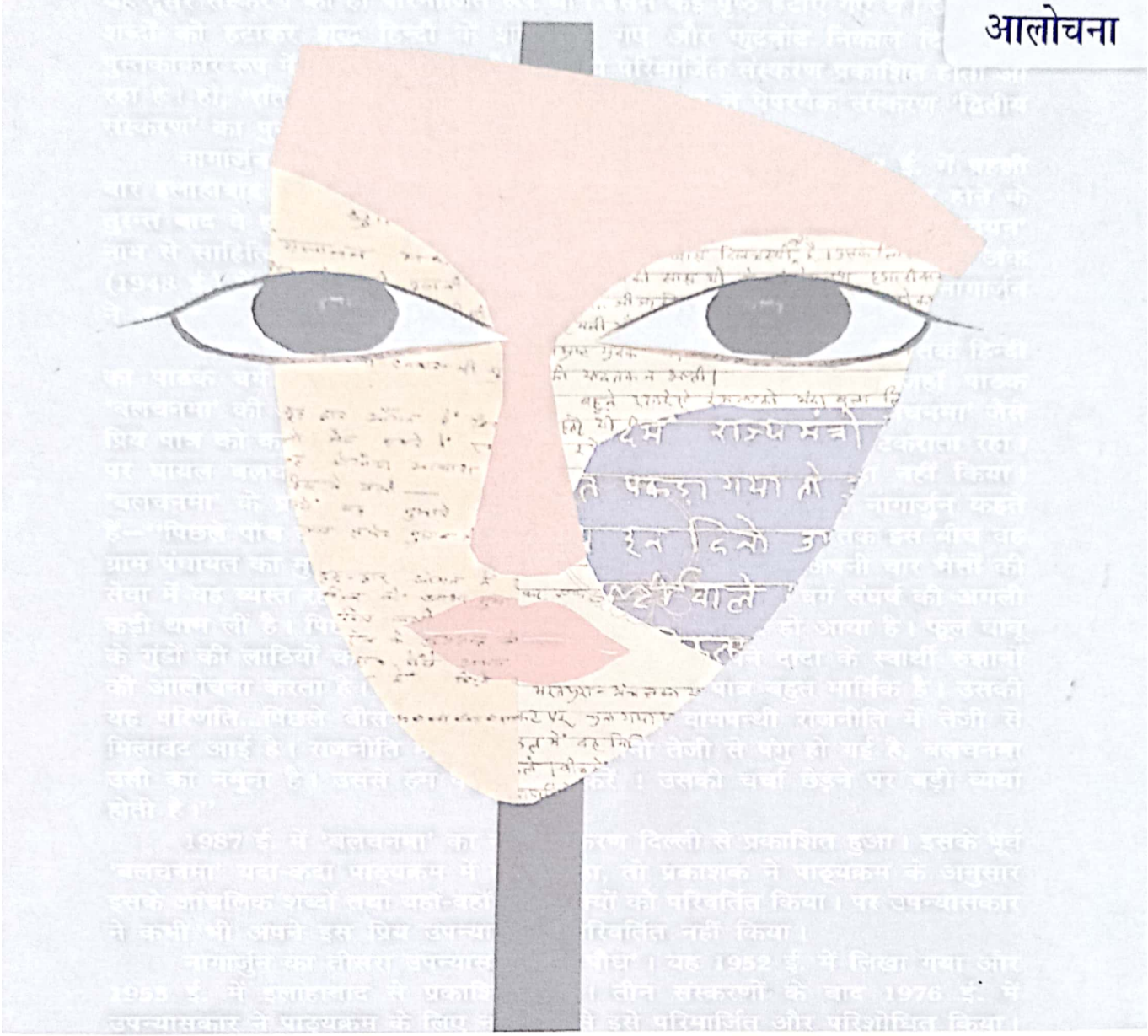

जोनटि दुवरा

एम. ए(हिंदी, समाजशास्त्र), एम. फिल(हिंदी), बी. एड., राष्ट्रभाषा-रत्न। अबतक 'आदर्श निबंध', 'आदर्श हिंदी असमीया व्याकरण एवं रचना', 'असम और मणिपुर के इतिहास की झलक' (अनुवाद) नामक विद्यार्थी उपयोगी पुस्तकें प्रकाशित। 35 राष्ट्रीय, 05 अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों तथा अनेक कर्मशालाओं में शोध-पत्र की प्रस्तुति, वाचन, भागीदारी। उत्तर-पूर्वांचल के महत्वपूर्ण हिंदी संसाधन केन्द्र 'शब्द-भारती', गुवाहाटी के द्वारा वर्ष 2016 में 'युवा अनुवादक' के रूप में सम्मानित, भानु प्रतिष्ठान, सिनामंगल, काठमांडू, नेपाल, और साहित्य संचय शोध संवाद फाउंडेशन (रजि.) दिल्ली, भारत द्वारा 'भानु साहित्य सम्मान' वर्ष 2020 के रूप में सम्मानित। अनेक राज्यिक, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक-सामाजिक संस्थाओं से सम्पर्कित।

वर्तमान गोलाघाट वाणिज्य महाविद्यालय, ज्योतिनगर, गोलाघाट, असम में कार्यरत।

अधिकरण प्रकाशन
नयी रचना नये विचार
अक्षर अक्षर आँखदार
ISO 9001 : 2015 प्रमाणित प्रकाशन
ISBN : 978-93-89194-63-0

Scanned with CamScanner

असम और मणिपुर के इतिहास की झलक

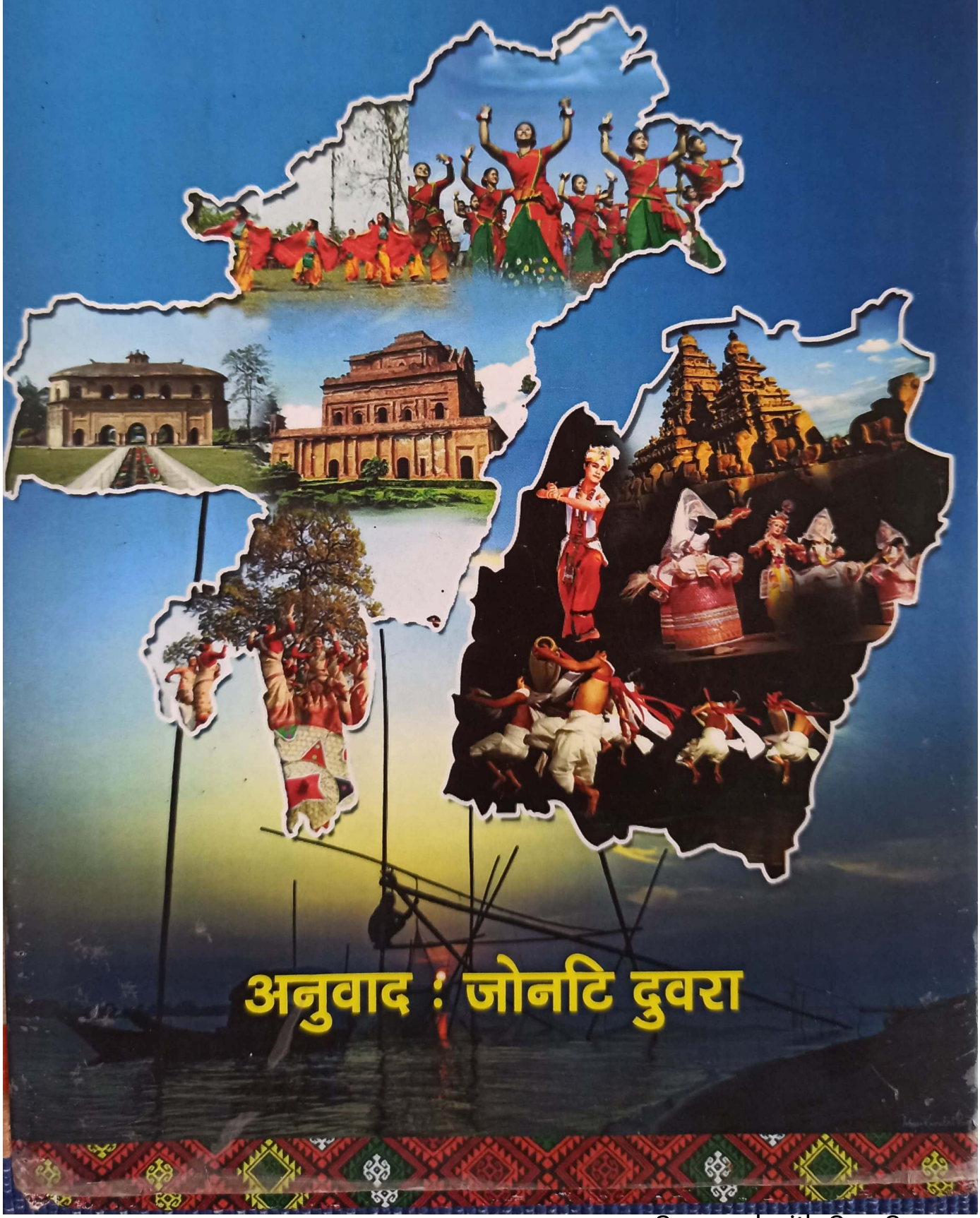

अनुवाद : जोनटि दुवरा

Scanned with CamScanner

असम और मणिपुर के इतिहास की झलक :
अपूर्ब बरूवा, वरिष्ठ पत्रकार, सम्पादक, साप्ताहिक धनशिरि, गोलाघाट, के द्वारा असमिया मूल 'असम आरु मणिपुरर बुरंजीर जिलिङनि' के तथ्य संग्रहित और संकलित। श्रीमती जोनटि दुवरा, सहा. अध्यापक, हिन्दी, गोलाघाट वाणिज्य महाविद्यालय. गोलाघाट के द्वारा हिन्दी में अनुवादित।
प्रूफ रीडिंग, संशोधन और पुनरीक्षण : विष्णु कमल तामुली, व्याख्याता, हिंदी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, उत्तर गुवाहाटी।

प्रकाशक :

अधिकरण प्रकाशन

मकान संख्या-133, गली नम्बर-14, प्रथम तल,
बी-ब्लॉक, खजूरी खास, दिल्ली-110094
मोबाईल : 9716927587
ईमेल : adhikaranprakashan@gmail.com

प्रथम संस्करण	:	2020
आवरण चित्र	:	लेखक के सौजन्य से
टाईप सेटिंग	:	एकांत गगै
प्रिंटिंग	:	जी.एस. ऑफसेट, दिल्ली

© जोनटि दुवरा

ISBN : 978-93-89194-42-5
मूल्य : 755 रुपये

- तत्थों की त्रुति और व्याख्या की विसंगतियों के लिए प्रकाशक उत्तरदायी नहीं है।
- Subject matter / information provided in the book has been written / compiled / collected by the author. Publisher does not agree or disagree with the information provided. Therefore, the publisher accepts no responsibility for any errors, omissions or misprints and he is not legally responsible.
- All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording otherwise, without the prior permission of the publisher.

असम और मणिपुर के इतिहास की झलक(अनुवाद)-जोनटि दुवरा

'Asom Aur Manipur Ke Itihas Ki Jhalak' (Translated) by Junti Duarah.

Scanned with CamScanner

असम और मणिपुर के इतिहास की झलक

''असम आरु मणिपुरर बुरंजीर जिलिङनि''

(असमिया) का हिंदी अनुवाद

संकलक(असमिया)

अपूर्ब बरूवा

वरिष्ठ पत्रकार, गोलाघाट, असम

अनुवाद(हिंदी)

जोनटि दुवरा

एम. ए(हिंदी, समाज-शास्त्र),

एम. फिल, बी. एड, राष्ट्रभाषा-रत्न

सहा. अध्यापक और विभागाध्यक्षा(हिंदी)

गोलाघाट वाणिज्य महाविद्यालय, ज्योति नगर, गोलाघाट(असम)

अप्र प्रकाशन अधिकरण

Scanned with CamScanner

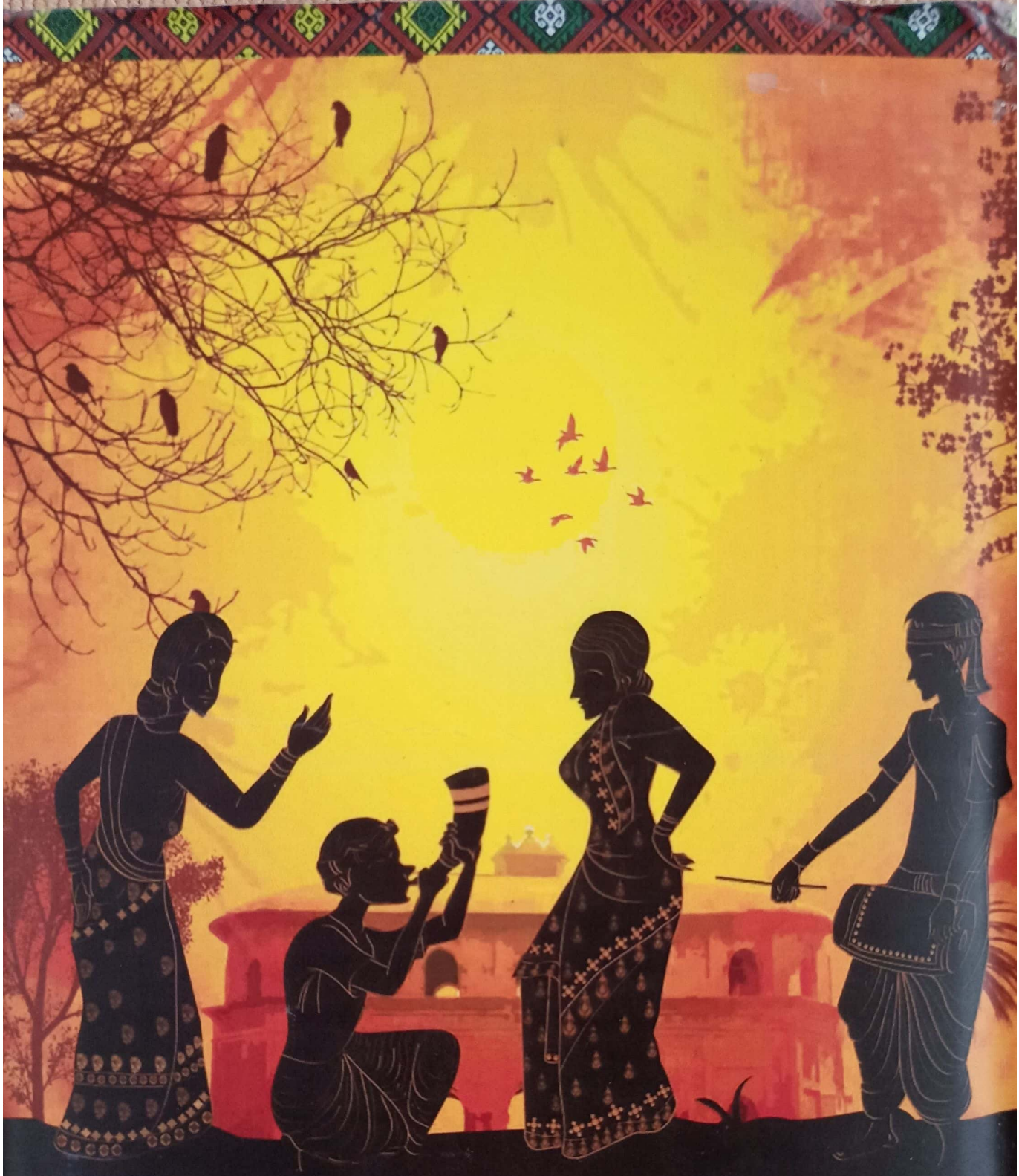

एम. ए(हिंदी, समाजशास्त्र), एम. फिल(हिंदी), बी. एड., राष्ट्रभाषा-रत्न। अबतक 'आदर्श निबंध', 'आदर्श हिंदी असमीया व्याकरण एवं रचना' नामक विद्यार्थी उपयोगी दो पुस्तकें प्रकाशित। 31 राष्ट्रीय, 04 अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों तथा अनेक कर्मशालाओं में शोध-पत्र की प्रस्तुति, वाचन, भागीदारी। उत्तर-पूर्वांचल के महत्वपूर्ण हिंदी संसाधन केन्द्र 'शब्द-भारती', गुवाहाटी के द्वारा वर्ष 2016 में 'युवा अनुवादक' के रूप में सम्मानित। अनेक राज्यिक, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक-सामाजिक संस्थाओं से सम्पर्कित। वर्तमान गोलाघाट वाणिज्य महाविद्यालय, ज्योतिनगर, गोलाघाट, असम में कार्यरत।

जोनटि दुवरा

अक्षर प्रकाशन अधिकरण

नयी रचना नये विचार
अक्षर अक्षर आंखदार

ISO 9001 : 2015 प्रमाणित प्रकाशक

ISBN : 978-93-89194-42-5

Scanned with CamScanner

वैश्विक सिनेमा और पत्रकारिता

BREAKING NEWS

संपादक
डॉ. उज्वल सु. काडोदे

Scanned with CamScanner

अनुक्रम

	सम्पादकीय	5
1.	हिंदी साहित्य का सिनेमा एवं पत्रकारिता से अंतःसंबंध **डॉ. सत्य नारायण**	11
2.	मीडिया और दलित-चिंतन **आशीष कुमार 'दीपांकर'**	17
3.	सिमटता कला जगत और : वैश्वीकरण **रक्षा रानी**	23
4.	सिनेमा एवं पत्रकारिता का साहित्यिक योगदान **जागृति**	31
5.	भारतीय साहित्य का सिनेमा पर प्रभाव **नम्रता पांडेय**	35
6.	सिनेमा और पत्रकारिता का साहित्यिक योगदान **मनीषा**	41
7.	सिनेमा एवं पत्रकारिता का साहित्यिक योगदान **पूजा यादव**	45
8.	सिनेमा एवं पत्रकारिता का साहित्यिक योगदान **डॉ. (श्रीमती) बी. नंदा जागृत**	52
9.	साहित्य, सिनेमा और समाज : एक आलोचना **श्रीमती जोनटि दुवरा**	58
10.	वैश्वीकरण और भारतीय हिंदी सिनेमा **दीक्षा गुप्ता**	62
11.	वैश्विक दृष्टि से भारतीय समाज में हिंदी सिनेमा का प्रभाव **मनोज कुमार रजक**	71
12.	समृद्धशाली छत्तीसगढ़ी : शास्त्रीय संगीत की दृष्टि से **शुभ्रा ठाकुर**	76

Scanned with CamScanner

13. हिंदी-मराठी रंगमंच, नाट्य और नाट्यधर्मी
ज्योति शर्मा 93
14. सिनेमा एवं पत्रकारिता का साहित्यिक योगदान
डॉ. नुरजहान रहमातुल्लाह 99
15. साहित्य से ग्रहण करता प्राणतत्त्व : हिंदी सिनेमा
सरिता 104
16. सिनेमा एव पत्रकारिता का साहित्यिक योगदान
मनदीप कौर सिधु 110
17. यही सच है हिंदी सिनेमा पर पड़ता अंबेडकरवादी प्रभाव
डॉ. प्रणु शुक्ला 114
18. काव्य और संगीत : पारस्परिक संबंध का विश्लेषणात्मक अध्ययन
प्रा. डॉ. सुनील भि. कोल्हे 120
19. वैश्विक समाज में राजस्थानी लोक-गीतों का योगदान
डॉ. विजय कुमार पटीर 127
20. नेपाल में चित्रित पर्यटन स्थलः का अध्ययन
सरिता गुप्ता 136
21. भारत नेपाल संबंधों का विश्लेषण
डॉ. संतोष संभाजी डाखरे 140
22. भारत एवं नेपाल की सांस्कृतिक में हिंदू वैवाहिक
पद्धति का ऐतिहासिक अध्ययन
23. संजीव कुमार सिंह 146
24. नेपाल के नवीन संविधान की मुख्य विशेषताएँ
डॉ. वर्षा अग्रहरि 152
25. नेपाल के पर्यटन स्थल
डॉ. ज्योति मिश्रा 168
26. मीडिया और सोशल मीडिया का स्वरूप
मीनाक्षी 176
27. हिंदी पत्रकारिता और भारतेंदु युग
डॉ. वसुंधरा उपाध्याय

Scanned with CamScanner

साहित्य, सिनेमा और समाज : एक आलोचना

श्रीमती जोनटि दुवरा
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी विभाग
गोलाघाट वाणिज्य महाविद्यालय
गोलाघाट-असम

साहित्य और सिनेमा ऐसे माध्यम हैं जिसमें समाज को बदलने की ताकत सबसे अधिक होती है। कहना गलत न होगा कि सिनेमा, साहित्य से अधिक प्रभावशाली और आम जनता तक सरलता से पहुँचने वाला माध्यम है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है। यदि इस नजरिए से सिनेमा को देखा जाए तो सिनेमा को समाज की अंतर्शिराओं में बहने वाले रक्त की संज्ञा दी जाती है। प्रारंभ से ही सिनेमा ने समाज पर सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही प्रकार के प्रभाव छोड़े हैं। भारत की पहली फिल्म सत्य हरिश्चंद्र देखकर बालक मोहनदास करमचंद गाँधी रो पड़े थे और 'राजा हरिश्चंद्र' की सत्यनिष्ठा से प्रेरित होकर उन्होंने आजीवन सत्य बोलने का व्रत ले लिया था। वास्तव में इस फिल्म ने ही उन्हें मोहनदास से महात्मा गाँधी बनने की दिशा में पहला कदम रखने हेतु प्रेरित किया था। स समाज, न नवीन, म मोड़ अर्थात सिनेमा ने समय-समय पर समाज को नया मोड़ देने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। साहित्य ने भी समाज के इस महत्त्वपूर्ण दृश्य-श्रव्य माध्यम के पुष्पन-पल्लवन में अपना योगदान दिया। यदि हम शुरुआती सिनेमा की ओर नजर दौड़ाएँ, तो पाते है कि इसकी शुरुआत ही पौराणिक साहित्य के सिनेमाई रूपांतरण से हुई। 'सत्य हरिश्चंद्र', 'भक्त प्रह्लाद', 'लंका दहन', 'कालिय दमन', 'अयोध्या का राजा', 'सैरंध्री' जैसे प्रारंभिक दौर की फिल्में धार्मिक ग्रंथों की कथाओं का अंकन थी।

हालाँकि, साहित्य के चिंतक, लेखक और आलोचक सिनेमा को साहित्य का हिस्सस मानने से हमेशा हिचकते रहे हैं, यह जानते हुए भी कि सिनेमा का आरंभ ही साहित्य से होता है। साहित्य और सिनेमा कहीं-न-कहीं हमेशा ही एक-दूसरे के

Scanned with CamScanner

© लेखक

ISBN : 978-93-89809-59-6

प्रकाशक

साहित्य संचय

बी-1050, गली नं. 14, पहला पुस्ता,
सोनिया विहार, दिल्ली-110090
फोन नं. : 09871418244, 09136175560
ई-मेल - sahityasanchay@gmail.com
वेबसाइट - www.sahityasanchay.com

ब्रांच ऑफिस

ग्राम : बहुरार, पोस्ट : ददरी
थाना : नानपुर, जिला : सीतामढ़ी
पटना (बिहार)

नेपाल ऑफिस

राम निकुंज, पुतलीसड़क
काठमांडो, नेपाल-44600
फोन नं. : 00977 9841205824

प्रथम संस्करण : 2020
कवर डिजाइन : अन्विता नवल

मूल्य : ₹ 200/- (भारत, नेपाल)
मूल्य : $ 7/- (अन्य देश)

VAISVIK CINEMA AUR PATRAKARITA
Edited by Dr. Ujjwal Kadode

साहित्य संचय, बी-1050, गली नं. 14, पहला पुस्ता, सोनिया विहार, दिल्ली-110090 से मनोज कुमार द्वारा प्रकाशित तथा श्रीबालाजी ऑफसेट, दिल्ली द्वारा मुद्रित।

Scanned with CamScanner

Gender and Women's Studies:

Interdisciplinary

Approaches and Perspectives

VOLUME-II

EDITORS
DR. DIPAK KUMAR DOLEY
DR. ABUL FOYES MD MALIK

Scanned with CamScanner

CONTENTS

- Understanding History and Memory Through Easterine Kire's *Mari* and *A Respectable Woman*
  Kaberi Sonowal 1
- Ismat Chugtai's "Lihaaf": A Non-Normative Love Affair Between Two Women
  Miss Debalina Konar 4
- Women Empowerment and Female Labour Force Participation in India
  Pubali Hazarika 8
- Notions of Gender in Two of the Most Celebrated Writers' Works: *The God of Small Things* And *Undertow*
  Upasana Handique 12
- Cyber Harassment and Violence Against Women: The Voices of the Victims
  Nitish Gogoi 15
- A Postcolonial Reading of Race and Gender in J.M Coetzee's *Disgrace*
  Srijana Kaushik 20
- Women Entrepreneurship in Assam: Potentials and Challenges
  Manuranjan Gogoi 24
- A Gender perspectives: Fertility is a Founding Norm of Women's Beauty with special reference of Buchi Emecheta's *The Joys of Motherhood* and Margaret Atwood's *The Handmaid's Tale*
  Nilam Gogoi 30
- Proprietary Rights of Women in Ancient India with Special Reference to Stridhana
  Bornali Buragohain, Polly Rajkhowa 34
- A Study on Menstrual Hygine and Its Impact on Education of the Adolescents with Special Reference to Puranigudam (Nagaon)
  Dibyashree Borah, Dibyajyoti Biswas 39
- The Position of Women in the Early Indian Society
  Navajit Saikia 46
- Diasporic and Subaltern Feminism in the Autobiographical Works of Maya Angelou and Maria Campbell
  Dermee Pegu 49
- Women Empowerment through Women Entrepreneurship: A Case Study of Woman Entrepreneurs of Mising Community of Jorhat District of Assam
  Jyotika Medok 55
- Role of Women Collectives in Financial Inclusion for Better Livelihood
  Syeda Nur Asma Ahmed 61
- The Theme of Marginalisation of Women in Mahesh Dattani's *Tara*
  Salma Begum 67
- The Marginalized Female: A Feminist Reading of Vijay Tendulkar's *Ghashiram Kotwal*
  Reeti Boruah 70

Scanned with CamScanner

- Gender and Migration: A Study Over Indian Migrated Workers With Special Reference to Covid-19 Era — 74
  Antara Hazarika
- Racial Discrimination in the African American Society and the Trauma of Being a 'Mother': A Reading of Toni Morission's 'Beloved' — 79
  Sirajuddin Ahmed
- Domestic Violence Against Women in Assam — 83
  Lakhman Kumar, Monika Boro
- Decoding the Queer and their Trauma: A Study of Hanif Kureishi's My *Beautiful Laundrette* and Mahesh Dattani's *On a Muggy Night in Mumbai* — 89
  Janardan Chetia
- Status of Women in Tiwa Tribal Society of North East India — 93
  Mrs. Krishna Kachari
- Women and Human Rights — 98
  Ms. Manmayuri Goswami, Ms. Sobha Lakshmi Hazarika
- Gender Stereotype and Present Assamese Society — 103
  Bidisha Dowarah
- Doctrine and Custom vs. Gender and Identity: A Re-reading of Indira Goswami's novel *The Moth Eaten Howdah of The Tusker* — 106
  Dhurum Sula Boro
- Portrayal of Women in Indian Television Advertisement — 111
  Pinky Biswash
- Women Education in India: The Role of Indian Government for Their Educational Upliftment — 116
  Darshana Bordoloi
- Woman's Oppression and Religion — 120
  Indra Kumar Borah
- A Queer Reading: Transgression from Normative Sexual Identity in Shyam Selvadurai's *Funny Boy* — 126
  Chinmoyee Deka
- Women Empowerment and Entrepreneurial Activities: A Sociological Study in Jorhat District of Assam — 132
  Monoj Bora
- The Journey of Rupi Kaur's Feminist Poetry from Cyberspace to the Traditional Print Medium and the Inherent Debate of Legitimacy Surrounding Her Work — 138
  David Lagachu
- A Glimpse of Maternal Mortality in Assam — 145
  Meghna Saikia
- Women and Age of Consent Controversy: A Study of Social Responses in 20th Century Assam — 150
  Trikha Rani Das
- Entrepreneurial Exposure of Women Entrepreneur of Assam: A Study Based on the Identification of Stumbling Block of Women Entrepreneurs of Assam — 154
  Anupam Dutta, Rina Adak

Scanned with CamScanner

- Formation of Woman Identity: A Feminist Reading of Nathaniel Hawthorne's *The Scarlet Letter*
  Swastika Nath 161
- Women in Medieval Assam: A Historical Analysis
  Tinamoni Rajkumari 165
- Women Empowerment in India: A Study through Self-Help Groups
  Ankita Kotoky 169
- Delineation of the Female Experience in *The Forest of Enchantments*
  Suvam Nath Sharma 174
- Gender Discrimination and Its Impacts on Women Empowerment
  Mehbubur Rahman Choudhury 178
- Women Empowerment and Social Change
  Sultana Khanam Mozumder 185
- Gendering the Covid-19 Pandemic
  Manjuma Sonowal 190
- The Issues of Poverty and Gender Inequality: A Study of Developing Countries
  Bikash Das 195
- A Vigorous Women Voice Against Witchcraft in Assam
  Ananta Chetia 200
- The Courtesan Life Seen Through Premchand's *Sevasadan* and Ruswa's *Umrao Jan Ada*
  Pallavi Bokotial 206
- A Study on the Cause and Effect of Early Marriage in Indian Society: With Special Reference to Dhemaji District of Assam
  Mrinali Narzari 210
- অৰূপা পটঙ্গীয়া কলিতাৰ চুটিগল্পত সামাজিক লিংগৰ প্ৰসংগ (প্ৰস্তাৱনা গল্পৰ আধাৰত)
  উৎপল মেচ 211
- মামণি ৰয়ছমৰ আত্মকথনত নাৰীৰ জীৱন আৰু যন্ত্ৰনা
  মনোজ ভূঞা 220
- সামাজিক লিংগ নিৰ্মাণৰ দৃষ্টিভংগীৰে অসমীয়া সাধুকথাত নাৰী
  বিনীতা চেতিয়া 225
- পুৰুষৰ দৃষ্টিত নাৰী ("ৰূপালীম" নাটকৰ উল্লিখনেৰে)
  বাগ্মিতা বৰা 230
- লিংগ আধাৰিত শ্ৰমৰ বিভাজন সম্পৰ্কে যুৱ-সমাজৰ দৃষ্টিভংগী ঃ অসমীয়া সমাজ-সংস্কৃতিৰ বিশেষ প্ৰসংগসহ এক চমু সমীক্ষা
  মৃদুল মৰাণ 233
- অসমীয়া ফকৰা-যোজনা, প্ৰবাদ-প্ৰবচনত নাৰী
  চয়নিকা গোহাঁই 237
- য়েছে দৰজে ঠংচিৰ 'বিষকন্যাৰ দেশত' উপন্যাস ঃ নাৰীকেন্দ্ৰিক কুসংস্কাৰৰ বিৰুদ্ধে এক প্ৰতিবাদ
  ভাগ্যশ্ৰী গগৈ 246
- জ্যোতিপ্ৰসাদ আগৰৱালাৰ নাটকৰ 'শেৱালি' আৰু 'ৰূপালীম' চৰিত্ৰৰ তুলনামূলক আলোচনা
  অংকনা বৰগোহাঁই 252

Scanned with CamScanner

- মনোরঞ্জন ব্যাপারীর উপন্যাস 'ছেড়া ছেড়া জীবন' ঃ প্রান্তিকায়িত নারী জীবনের সাতকাহন 256
  আব্দুল জলীল চৌধুরী
- নারীর মর্যাদা রক্ষার দাবিতে 'মনুসংহিতা'ঃ পুনঃ অবলোকন (প্রথম পর্ব) 261
  শেলী দত্ত
- অৰূপা পটঙ্গীয়া কলিতাৰ 'মৃগনাভি' উপন্যা-ত নাৰীৰ সামাজিক স্থিতি 267
  মৃণালী গেণ্ড
- অসমীয়া লোকগীতত নাৰী 270
  ৰৰ্ণালী শইকীয়া
- নিৰুপমা ৰৱগোহাঞিৰ 'অভিযাত্রী' উপন্যাসত প্রতিফলিত চন্দ্রপ্রভা শইকীয়ানীৰ জীৱন চিত্রণ 274
  ডালিমী পাঠক
- জ্ঞান পূজাৰীৰ কবিতাত বিষয়ীৰ (Subjectivity) প্রশ্ন হিচাপে নাৰী ঃ 'পানীৰঙৰ জলকুঁৱৰী'ৰ মাজেৰে এটি পাঠ 278
  সুদক্ষণা গগৈ
- 'গহিন গাঙ' উপন্যাসে নারী চরিত্র ঃ নিম্নবর্গীয় দৃষ্টিকোন থেকে 283
  ড° নীতিশ দাস
- মনোজ মিত্রের নাটকে নিম্নবর্গ সমাজ ঃ একটি সমীক্ষা 288
  মোঃ আজহারউদ্দিন
- নিম্নবর্গের আলোক দেবেশ রায়ের উপন্যাসের 'মাদারির মা'ও 'টুলটুলি' চরিত্র 295
  জানকী প্রসাদ দেবনাথ
- কুন্দনন্দিনী ও রোহিণী ঃ বিধবা নারীর অন্তর্দহন 300
  বাসব দাস
- লিংগ বৈষম্য আৰু আমাৰ সমাজ 305
  মাইকেল টায়ে
- भारतीय नारी और समाज : अतीत और वर्तमान 307
  जोनटि दुबरा
- प्रभा खेतान के उपन्यासों में मनोवैज्ञानिकता 310
  हिटलर सिंह

Scanned with CamScanner

भारतीय नारी और समाज : अतीत और वर्तमान

जोनटि दुवरा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
गोलाघाट वाणिज्य महाविद्यालय, गोलाघाट

"नारी ! तुम केवल श्रद्धा हो,
विश्वास रजत नग पगतल में।
पीयूष स्त्रोत सी बहा करो,
जीवन के सुंदर समतल में।"

– ***जयशंकर प्रसाद***

प्राचीन युग से ही हमारे समाज में नारी का विशेष स्थान रहा है। हमारे पौराणिक ग्रंथों में नारी के पूज्यनीय एवं देवीतुल्य माना गया है। हमारी धारणा रही है कि देव शक्तियाँ वहीं पर निवास करती हैं जहाँ पर समस्त नारी जाति को प्रतिष्ठा व सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।

इन प्राचीन ग्रन्थों का उक्त कथन आज भी उतनी ही महत्ता रखता है जितनी कि इसकी महत्ता प्राचीन काल में थी। कोई भी परिवार, समाज अथवा राष्ट्र तब तक सच्चे अर्थों में प्रगति की ओर अग्रसर नहीं हो सकता जब तक वह नारी के प्रति भेद भाव, निरादर अथवा हीनभाव का त्याग नहीं करता है।

स्त्रियाँ ही घर की लक्ष्मी होती हैं अर्थात् घर सौंदर्य व सौभाग्य सब वे ही होती हैं, जो व्यक्ति उन्नति एवं सौभाग्य की कामना करते हैं, उन सभी को स्त्रियों का सम्मान करना चाहिए, जो इसका पालन करता है उसकी स्त्री लक्ष्मी का रूप धारण कर लेती है, जिन घरों में स्त्रियाँ सम्मानित होती हैं, उनके घर देवता रमण करते हैं किंतु जिन घरों में ये अपमानित होती हैं, उनमें क्रियायें निष्फल हो जाती हैं, स्त्रियों द्वारा शापित घर नष्ट हो जाते हैं।

नारी को आदरणीय मानना भारतीय संस्कृति की मूलभूत विशेषताओं में से एक है, वैश्विक धरातल पर महिला को समाज, संस्कृति एवं सभ्यता का मेरुदंड माना गया हैं, विश्व की सभी संस्कृतियों में महिलाओं के प्रति विशेष उदार और उन्नत विचार रखे गए हैं, मानव समाज में महिलाओं का इतिहास उतना ही पुराना है जितना एक पुरुष का होता है, पुरुष के साथ महिला के मानव सभ्यता के उत्थान-पतन एवं सामाजिक संगठन के विकास में भाग लिया है, पारिवारिक संगठन, जो कि मानव समाज की एक अद्भुत एवं सार्वभौमिक इकाई हैं। अस्तित्व की कल्पना महिला के अभाव में नहीं करी जा सकती है।

महिलाओं का उत्पीड़न एवं शोषण उतना ही प्राचीन है जितना कि पारिवारिक जीवन का इतिहास, लेकिन सामाजिक विधान के परिप्रेक्ष्य में भारतीय महिलाएँ अन्य कई देशों की महिलाओं से कहीं आगे हैं, किंतु महिलाओं को अधिकार प्रदान करने की प्रकिया इतनी मंद, अव्यवस्थित एवं असंगत रही है कि सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक रूप से वे पुरुषों से काफी पीछे हैं, न केवल, काम में उनके साथ भेदभाव किया जाता हैं अपितु प्रत्येक क्षेत्र में उनको अधिकारों से वंचित रखा जाता है, घर में उनकी सिस्थित और भी खराब होती है, उनके साथ बुरे व्यवहार के अलावा विविध प्रकार के दुर्व्यवहार किए जाते हैं। उनका उपहास करना, सताना, आंतकित किया जाना, मार-पीटा जाना, जला कर मार दिया जाना स्पष्ट करते हैं कि वे प्रत्येक भूमिका में शिकार होती रहती हैं।

भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में नारी की स्थिति और समस्याओं के संबंध में हमारा दृष्टिकोण सदैव असंगति पैदा करता है, कहीं स्त्री को शक्तिस्वरूप देवी तो कहीं अबला एवं दासी कुछ भी कह दिया गया हैं, स्त्री की स्थिति, उसकी समस्याओं और समाधानों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर लेखन को 'स्त्री-विमर्श' का नाम दिया गया हैं।

Scanned with CamScanner

Gender and Women's Studies:

Interdisciplinary Approaches and Perspectives

PUBLISHED BY : DR. DIPAK KUMAR DOLEY, DEPT. OF ENGLISH
DIBRUGARH UNIVERSITY, DIBRUGARH

DR ABUL FOYES MD MALIK, DEPT. OF BENGALI
DIGBOI MAHILA MAHAVIDYALAYA, DIGBOI

FIRST PUBLISHED : DECEMBER, 2020

EDITED BY : DR. DIPAK KUMAR DOLEY, DEPT. OF ENGLISH
DIBRUGARH UNIVERSITY, DIBRUGARH

DR ABUL FOYES MD MALIK
DEPT. OF BENGALI, DIGBOI MAHILA MAHAVIDYALAYA

COVER DESIGN : EDITORS

PRICE : 1000/- (RUPEES ONE THOUSAND ONLY)

PRINTED BY : THE ASSAM COMPUTERS
SECTOR - 49, BY LANE - 5TH
BAMUNIMAIDAN INDUSTRIAL AREA
GUWAHATI

ISBN : **"978-81-948854-7-4"**

No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, recording or by any information, storage and retrieval system without prior permission in writing from the publisher.

The views and research findings provided in this publication are those of the author's only and the editors are in no way responsible for its content.

Scanned with CamScanner